रजिस्टर्ड नं 0 पी 0/एस € एम 0 14.



राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(ग्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 14 विसम्बर, 1984/23 प्रयहायण, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-2, 14 दिसम्बर, 1984

कमांक एल 0 एल 0 मार 0-डी 0 (6) 30/84.—हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट माचरण निवारण (संशोधन) विधेयक, 1984 (1984 का विधेयक संख्यांक 20) जैसा कि राष्ट्रपति द्वारा "भारत के संविधान" के मनुच्छेद 201 के मन्तर्गत दिनांक 22-11-84 को भनुमोदित किया गया, को सर्वसाधारण की जानकारी के लिये राजपत, हिमाचल प्रदेश में 1984 का अधिनियम संख्यांक 29 के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

हस्ताक्षरित/-सचिव (विधि) ।

1984 का प्रधिनियम संख्यांक 29.

हिमाचल प्रवेश बिनिविष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण (संशोधन) अधिनियम, 1984

(राष्ट्रपात द्वारा 22 नवम्बर, 1984 को यथा मनुमोदित किया गया)

हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट ग्राचरण निवारण भाष्यिनियम, 1983 (1984 ना भ्रिधिनियम संख्यांक 3) का संशोधन करने के लिए—

अधिनियम ।

भारत गणराज्य के पैतीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विद्यान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह प्रधिनियमित हो:—

संक्षिप्त नाम 1. (1) इस भ्रधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विनिदिष्ट भ्रष्ट भ्राचरण भीर प्रारम्भ । निवारण (संशोधन) भ्रधिनियम, 1984 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

घारा 36 का संशोधन। 2. हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट घ्रष्ट ग्राचरण निवारण प्रधिनियम, 1983 (जिसे इसमें इसके पश्चात मूल ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 36 में "इसके लिए राज्य सरकार द्वारा ग्रिधिसूचना के जिर्थे विनिर्दिष्ट ग्रिधिकारी ने" शब्दों के स्थान पर "ऐसे ग्रिधिकारी ने, जो मण्डलायुक्त की पंक्ति से नीचे का न हो, जिसे राज्य सरकार ग्रिधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे, इसके लिए" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं।

षारा 36-क का 3. मूल ग्रविनियम की घारा 36 के पश्चात् निम्नलिखित धारा भन्तःस्थापित की जाए, ग्रर्थात्,—

भग धन्तःस्थापन्।

"36-क. प्रपराधों का प्रन्वेषण.—दण्ड प्रकिया संहिता, 1973 में किसी बात के होते हुए भी, लोक सेवक के मामले में उप-प्रधीक्षक पुलिस की पंक्ति से नीचे की पंक्ति का कोई भी पुलिस प्रधिकारी, इस प्रधिनियम के घ्रधीन दण्डनीय किसी प्रपराध का अन्वेषण या उसमें कोई गिरफ्तारी नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण.—इस धारा के प्रयोजन के लिए "लोक सेवक" से भारतीय दण्ड संद्विता की धारा 21 में यथा-परिभाषित लोक सेवक श्राभित्रत है।" र्चाजस्ट हं नं 0 पी 0/इस 0 एम 0 14.



राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(ग्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा क्रकाशित

शिमला, शानिकार, 15 विसम्बर, 1984/24 प्रप्रहायण, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

ELECTION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd December, 1984

No. 3-20/84-ELN.—The Election Commission of India's notification No. 82/HP-LA/1/84 (Bye), dated 17th November, 1984 corresponding to 26th Kartika, 1906 (Saka) containing the judgment, dated the 21st September, 1984 of the High Court of Himachal Pradesh at Shimla in Election Petition No. 1 of 1984, is hereby published for general information.

By order,
ATTAR SINGH,
Chief Electoral Officer,
Himachal Pradesh.